Page No.
Date / /

Story

यह एक काल्पनिक वह एक हॉरर स्टोरी है। इसके सभी पात्र, दृश्य काल्पनिक है। इसमें दिखाये या सोचे गये दृश्य को सत्य मत माने। यह बस मनोरंजन के लिये है।
कहानी का C Conjuring return यह एक Hollywood movie है। जिसने काफी डर बनाया था। तो इस के बारे सोचे और इसे और लोगो को सुनाये। कहानी की अवधि 2 घंटे की

The Conjuring return.

कहानी की शुरुआत होती है हमारे देश india से जब सिर्फ लोगो को भूत व भगवान पर भरोसा करते थे। जब सिर्फ कुछ घर पे बाकी बस जंगल और तांत्रिक बाबा और पंडित पर लोगो का विश्वास था। जिनमे मे से एक था संजय और सीता का परिवार जो एक पुराने घर मे रहते थे। या किराये के घर मे रहते हो सबकुछ उनकी जिंदगी मे सामान्य चल रहा था जैसे आम जिंदगी चलती है सीता के तीन बेटियाँ थी। दो भाई थे। सबसे बडी लडकी थी जो आज Bollywood मे है उसे छोटी Katreena Kareena और Karishma

इनके दो भाई बड़े ही शरारती नाम जो आजकल चर्चा में है करण और ~~अर्जुन~~ अर्जुन। जो सबसे छोटे थे। अभी इनकी पढ़ाई चल रही थी। तीनों बहनें एक ही कक्षा में थी। दोनों भाई भी एक ही में। पर सबका स्कूल एक था। संजय का परिवार भले बड़ा था लेकिन प्रेम मौजमस्ती काफी थी। एक दिन खुशी का पल आया जब संजय का Transfer हो गया। क्योंकि वह एक Servant था। उसका Transfer ऐसा शहर में हुआ था जिसके बारे में वह नहीं जानता था न उसने सुना था कुलभट्टा!!!!!? संजय और सीता को बड़ी खुशी हुई लेकिन थोड़ी चिंता क्योंकि उसके 5 बालक की शिक्षा पर स्कूल का असर पड़ता। कि वहां स्कूल होंगे या नहीं माहौल कैसे होगा। संजय ने जब यह बात सीता व बच्चों को बताई सभी खुश थे। पर सीता भी कपड़े सिलने का काम करती थी तो उसे ज्यादा चिंता बच्चों की थी जो ~~संजय~~ संजय को भी थी। पर संजय खुशी मन से कुलभट्टा के लिए निकल गये सभी लोग ट्रेन से गए।

यह ~~है~~ है पहला अध्याय।

जब सभी परिवार कुलभट्टा ~~के~~ पहुंचा तो रास्ते में उसने देखा तो वह अचम्भित

3

हो गये। उसने और उसके परिवार के
लोगों ने देखा की ट्रेन ने जब
कुलभट्टा पहुँची तो बहुत अच्छा दृश्य था
रेलवे स्टेशन का जब संजय ट्रेन से
उतरा सब कुछ change था सब खंडर
था यह थी पहली झलक। वह
आगे चलने लगा उसने मार्ग में लोगों
से पूछा कि पुरानी हवेली (इमारत) घर
कहाँ है सभी कहने लगे " आगे है "
आगे चलने पर ~~कि~~ फिर वह चौंक
गया जिसने उससे रास्ता पूछा, वह
तो 10 साल पहले मर चुका था।
[illegible] पर देकर पता पूछी संजय को लगा सब यह एक भ्रम है
यह थकान का असर था। उसने फिर
एक व्यक्ति से पूछा कि यह पुरानी
हवेली कहाँ है। तीन चार लोगों ने
कहा कहाँ से आये हो। संजय बोला दिल्ली
से आया हूँ पर जाना कहाँ है लोग
बोले। संजय कुलभट्टा पुरानी हवेली
लोगों ने उत्तर दिया की यह तो
गुल गाँव है कुलभट्टा यहाँ से अभी
दूर है संजय ने सोचा कि अगर ज्यादा
दूर है तो हमें कोई साधन ले लेना चाहिए।
थोड़ी दूर उसे एक ई रिक्शा मिला जो
वापस अपने घर जा रहा था संजय
ने उसे रोका बोला कि भाई

(4)

कुल मदा चलोगे। उसने कहा कि साहब कुल अहा !!! ~~ठिक~~ ठिक है। पर आप अकेले नही नही संजय बोला कि मेरा पूरा परिवार है रिकशा वाला कहा है अरे वो ~~खड़ा~~ खड़ा पेड़ का साप। पर साहब वहाँ तो कोई नही है आप किससे बोल रहे कि वहाँ अपका परिवार है संजय ने ~~उसन~~ चारो तरफ देखा वह दौड़ के गया तो सामान वही था तब उसे आवाज आई। सुनईये हम यहाँ है ई रिकशो के पास आ जाइये। संजय ने देखा अरे तुम लोगो वहाँ हो मे तो चिंता मे पड गया था। सभी रिकशे मे बैठे थो और से पूरा परिवार 20 min ka रास्ता तय करके वह पुरानी हवेली ~~पहुँचा~~ पहुँचा। सभी रिकशो से उतरे समान उतरा जब संजय ने पैसे निकाले तो रिकशे वाला वहाँ नही था वह गायब हो चुका था। चारो तरफ कि अभी कुछ पल तो हुई है आये हुये यसब क्या हो रहा है हमारे साथ। संजय ने सोचा सभी लोगो ने हवेली मे ~~entry~~ entry करी।

दूसरा अध्याय समाप्त

Scanned by CamScanner

(5)

Page No.
Date / /

संजय ने जब दरवाजे पर हाथ लगाया तो दरवाजा अपने आप खुला Kareena, Karishma, और Katrina और दोनों उनके भाई करण, अर्जुन डरे हुए थे। उन्होंने सोचा कि दरवाजा अपने आप कैसे खुल सकता है सभी अंदर प्रवेश करते ही प्रवेश करते ही दरवाजा बंद हो जाता है और आवाज आती है स्वागत है आपका हमारी पुरानी हवेली मैं तो घर के नौकर थे सभी को उनका कमरा बता दिया गया सब खाना खाने नीचे आये पर Katreena नहीं आई संजय ने Katreena को आवाज दी Katrina बोली मुझे भूख नहीं है मै थक चुकी हूँ आप लोग खा लिजिए। संजय ने कहाँ ठिक है पर भूख लगे तो आ जाना Katreena का स्टक शौक और था फोटो व video बनाने का तो Katrina उन सभी बातों को video में देखा कि यह सब हमारे साथ क्या हो रहा था जब से हम महल में आये है video में जो देखा उसे देखकर तो ही नहीं आप भी चकित रह जाएंगे।

Scanned by CamScanner

Page No.
Date / /

उसने देखा कि जिस जिससे वो बात कर
पूछा था Ronak लियर वो सब भूत
थे। जो मर चुके थे यहाँ तक जिस
ट्रेन से आये थे ऐसी कोई ट्रेन थी
जो कुलभद्दा आती हो। यह देखकर
video मैं वहाँ चिल्लाई। तो संजय और
सीता और सभी चारो बच्चे दौड़कर
बड़ी दीदी के कमरे में गये पर उससे
पहले Katrina ने जैसे ही वो video
बन्द करी तो वह सभी लोग
उसके सामने आ गये यह देखकर वह
बेहोश हो गयी और बेड पर जा गिरी।
संजय ने देखा तो पहले Katreena
को उठाया उस पर पानी डाला तब
कई जाकर उसे होश आया सीता ने
और Kareena, Karishma और
करण और Arjun ने पूछा कि
दीदी दीदी क्या हुआ आप क्यों
जोर से चिल्लाई क्या आपने
बुरा सपना देखा Katrina बोली
नहीं नहीं मैंने video देखी।
संजय बोला कैसी video, पापा
आप तो जानते है कि मुझे video
बनाने का शौक है बस जब
से हम ट्रेन से कुलभद्दा आये है
तब से कुछ अजीब हो रहा है।

video मे मैंने देखा कि जिस ट्रेन मे हम आये थे वो ट्रेन है ही नही मतलब कोई ऐसी ट्रेन नही जो कुलभट्ठा आती हो, और वो लोग जो कह रहे थे कि वो नही जानते कि पुरानी हवेली कहा है वो सब भूत थे। क्योंकि video मे वह था ही नही जिससे हमने बात कही या पूछा। बस यह बात है संजय भी चौक उठा उसकी आंख खुली की खुली रह गई। सीता और चारो बच्चे डरने लगे। संजय बोला कि नही, नही यह सब थकान का असर है और कुछ नही। संजय ने सीता से पूछा कि नीचे से Katrina के लिये कुछ लेकर आओ। जब तक संजय ने वो video देखी तब तक सीता ने जो देखा video वो और जब ज्यादा डरवाना था कि Katrina को छोड़कर संजय और चारो बच्चे खाने खा रहे थे सीता जोर से चिल्लाई और Katrina और संजय नीचे भाग कर आये सीता बोली

कि मैंने अपने परिवार को देखा यहाँ पर। जब Katrina रसोई से कुछ लेकर आई और कहाँ कि पापा वहाँ, क्या कर रहे हो खाना खा लिया आपने। संजय ऊपर गया तो Katrina ऊपर कमरे में थी। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। Katrina ने माँ को आवाज दी। Katrina कि पापा बेहोश हो गये है पानी लेकर आवो। संजय को होश आया और बोला कि सब लोग एक जगह सो जावो। कोई कुछ नही बोलेगा न कोई सोचेगा उन बातो पर।

अगले दिन सवेरे संजय अपने काम पर गया तो सीता और सभी बच्चे घर मे अकेले थे घर के नोकर भी रातो को चले जाते था सवेरे आये तो सीता ने सब बताया। नोकरो ने कहाँ कि यहाँ पर रात को भूतो का सवया है प्रेत आत्मा रात को आती है। सीता बोली जब से आये है तब से कुछ न कुछ हो रहा पहले देन, पेड के पास लोग, घर पर रिश्तो का बाते को होडना

बस यही हो रहा है मैडम आप मेरी बात मा
तो पूजा पाठ करवायें शायद आपकी
परेशानी दूर हो जायेगी। सीता ने
अपने पति को फोन किया था
फोन पर पति की आवाज नहीं थी
बल्कि किसी मर्द के बोले
की आवाज सुनाई दी सीता ने
कहाँ की आप क्यों रो रहे हैं
मै बहुत परेशान हूँ मेरे अंदर से
बदबू आ रही है बहुत अजीब
लग रहा है ऐसा लग रहा है कि
है किसी ने मुझे बंद करके रख
है तुम्हे मुझे बचा लो नहीं तो
मर जाऊँगा। ऐसी आवाज
सुनकर सीता ने कहा कि आप
वो कहा अभी तो आप ठीक
थे। सभी बच्चे खेल रहे थे मौज
मस्ती से घर के खेल रहे थे
सीता ने जो सुना बड़ा अजीब था
लेकिन असे चीता थी अपनी पति कि
संजय की आवाज में जो वह बोला
वह था कि मैं जमीन के
अंदर से बोल रहा हूँ। जहाँ पर
से तुम खड़ी हो। उसके नीचे
तभी एक हाथ निकला उसने
देखकर वह अंदर की तरफ

भागी दरवाजे बंद कर दिये। अंदर कोई कुछ ऐसा देखा जो सोचा ना था बच्चे अंदर नही थे उसने सारा घर छान मारा पर बच्चे नही मिले उसने सोचा कि बच्चे तो अंदर ही खेल रहे थे फिर कहाँ गये। बाद मे जब वह बाहर का दरवाजा खोला तो उसे लगा कि बच्चे ~~बाहर~~ बाहर होंगे पर बच्चे ~~बा~~ बाहर नही थे बल्कि अंदर ही थे। वो बाहर थी। अब आप सोच मे मे कि यह क्या हो रहा है बल्कि जब वह फोन पर बात कर रही थी तब वह अंदर थी दरवाजा बंद करके वह बाहर थी अब समझे ये ही उनकी दुसरी खोफनाक झलक जो आप सोचे तो डर ~~वह~~ भय तो होगा। अभी तो यह कहानी आधी हुई कहानी अभी बाकी है

सीता अपने बच्चो को लेकर रसोई मे गई और घर के नौकर सारे वहाँ से भाग गये। ~~अब~~ अब सीता को डर लग रहा था उसे अपने पति व बच्चो की चिंता थी पूरा ~~दिन~~ जागृत करने के बाद सीता ने अपने घर के आगे पड़ पौधे

लगाया। उनमें पानी टूट रही थी। कि पानी का रंग लाल निकला वह पानी को छोड़कर भाग गई। और अपनी बड़ी बेटी ~~का~~ Katrina को लेकर आई और दिखाया कि यह देखो लाल पानी लेकिन Katrina को कुछ नहीं दिखा। वहां तो पानी बह रहा था। सीता ने नली छोड़कर गई थी, पर नली को आनी किसीने ठीक ढंग से वही ~~रख~~ रखा जहां रहती है बस नल में से पानी बह रहा था। पर वह लाल न था। ~~a~~ पूरा दिन डर व भय से निकला शाम को संजय आया तो सीता ने पूरी बात कही संजय ने निर्णय किया ~~अ~~ हमे तांत्रिक बाबा को बुलाना पड़ेगा। कि बच्चे डर जायेंगे फिर सोया रात को उनकी ~~दूसरे~~ दूसरे रात इसी तरह गुजरी सुबह वही समय चला परन्तु उस दिन एक अजीब बात हुई। संजय सुबह 9 बजे निकले आने का टाइम 6 बजे था

पर उस दिन कुछ ऐसा हुआ जो बहुत अटपटा था या अजीब था। सबसे पहले सीता ने फोन किया कि चलो आज कोई बाहर चलते हैं। घर तो डर लग रहा है। संजय बोला ठीक है बस फिर क्या 1 घंटे बाद घंटी बजी सीता बच्चों को तैयार कर रही थी बच्चे बड़े खुश थे बाहर खाना खाने के लिये। रिंग/बेल बजी सीता गई दरवाजा खोला पर कोई नहीं था फिर दरवाजा बंद करके अंदर गई। फिर रिंग बजी फिर सीता ने दरवाजा खोला फिर कोई नहीं था। इसतरह साथ तीन बार ऐसा ही हुआ। 6 बजते संजय घर आया और कहा कि चलो संजय ने उस दिन एक गाड़ी खरीदी थी सीता और बच्चे बड़े खुश थे। सारा परिवार चल दिया Kareena

Kareena, Karishma, करण, arjun और संजय गीता सभी गाने गाते जा रहे थे तभी अचानक एक व्यक्ति और औरत उनकी गाड़ी से टकराई और संजय का Balance बिगाड़ा और गाड़ी पेड़ पर जा टकराई उस टक्कर में Kareena video

चला रही थी। संजय उतारा पीछे देखा पर कोई नहीं था, फिर उसने ~~कहा~~ Katreena से कहा कि तुम video बना रही दिखाओ जरा video मे कुछ भी नहीं था जो गाड़ी cकराया हो। संजय ने गाड़ी Hotel की तरफ लेकर चल दिया वहाँ उन्होंने खाना खाया फिर वहाँ से एक बाबा की ओर जाये। बाबा का पता उन्हें पहले से पता था। बाबा को सारी बात बताई। बाबा ने कहा कि पुरानी हवेली और कोई नहीं बल्कि यह तुम्हारी ही जमीन है तुम यहां के वंश हो राजा हो संजय बोला कि सब झूठ है मेरा तो यहाँ हुआ है काम के लिए transfer बाबा ने कहा कि मुझे वह लेटर मे बताओ जहाँ पर कागज इसके बारे मे था संजय ने ~~निकाल~~ अपने बेग से निकाला तो उसने देखा कि कोई भी appointment या transfer letter नहीं था बल्कि जमीन का कागज था जहाँ ~~से~~ उसका घर है कुलमहल। ~~पुरी~~ पुरानी हवेली।

Scanned by CamScanner

Page No.
Date / /

बाबा ने कहा कि शांति पुजा करनी होगी संजय ने कहा ठीक है पर यह सब ठीक तो हो जायेगा बाबा बोले हां बिल्कुल बाबा ने घर आया तो कदम बढ़ते ही उन्हे अजीब लगा उन्होने मंत्रो ~~से~~ से घर मे परवेश किया। बाबा ने जाप करना शुरु किया तो संजय का पुरा परिवार सामने आ गया और रोने लगा। उसकी पत्नी सीता, Kareena, Kareena, Karishma यहां तक Karan arjun.

उसकी पत्नी का ~~सीर~~ सिर उल्टा, हाथ पैरों मे निकले हुए और लाल जीभ बाहर की तरफ और आंखे कभी नीली कभी लाल हर बार बदल रही थी। Kareena और Kareena Karishma दिवार पर उल्टे चलने लगी। और Karan arjun तो अपने सिर से खेल रहे थे संजय को विश्वास नही हुआ यहां तक कि उसने अपने आप को सामने से आता देखा जो बिल्कुल वैसा था असके सिर गोल गोल ~~जोम~~ घुम रहा था हाथो मे कुल्हाडी

और हथौड़ा था पैर उसके उल्टे थे
बाबा ने जाप बंद नहीं करे
उन प्रेत आत्मा ने संजय
को चले जाने को कहा
पर संजय नहीं माना।
बाबा को कहा कि बाबा तुम
अपनी मौत चाहते हो यहां
जिन्ना उनके आके किसी
का बस न था उन्होंने
चालाकी से बाबा को मर
डाला। उसपर जब लोग
आ जा रहे थे हवेली की
तरफ छोड़ लेकिन ऊपर से
लेकर चारों तरफ तरफ भूत
प्रेत चक्कर काट रहे
थे लोगों ने बहादुरी दिखानी
चाही लेकिन एक न चली
लोगों को बीच से
चीर दिया गया
माने भंडार लाशों को
संजय के खड़ा हो गया
उसने हार नहीं मानी।
याद करो सीता से कहा कि
दोनों बेटे के डरने लिन लेकिन
तीसरे मंजिल संजय को
दिया नहीं पर फेंक
Kareena का

कमारा था। अभी आत्माएं वहाँ आ गई। संजय को लगा कि मौत नजदीक आ रही है फिर उसे याद आया वो कैमरे को Kareena का था video बनाई थी। संजय पूरा खून में सना हुआ था। पैरों से चला नहीं जा रहा था क्योंकि दोनों पैर काट दिये गये। ऐसी हालत में संजय को ऊसने नहीं दिया अपने जोश में आकर कैमरा तोड़ दिया। सारी आत्म वहाँ तक की पूरा परिवार की तबाह हो गया। चारों तरफ चिख पुकारें सुनाई देने लगी। चारों तरफ खून की बारिश होने लगी। संजय को सुबह अस्पताल मे भर्ती करवाया गया। 6 महीने लगे वह wheel chair पर होकर वापस हवेली आया पर अंदर नहीं गया, पर वह बाबा के आश्रम गया वहाँ उसने कुछ देखा पुरानी हवेली की कहानी उसने उसे पढ़ा / देखा जो देखा कि जिसके साथ वह सालों से रह रहा था वह आज से 100 साल पहले मर चुके हो वह आत्मा के साथ रह रहा था यहाँ तक कि

17

Page No.
Date / /

वह भी एक आत्मा थी, जो अपने परिवार को ढूंढ रही थी।

Story will continue in next Part

The again Conjoining return for next video or Pdf.

THE END

Scanned by CamScanner